न्यायालय उप खण्ड अधिकारी, अटरू जिला बारां(राज.)

पीठासीन अधिकारीः—कृष्णगोपाल जोजन आर.ए.एस.

प्रकरण सं0 110/2019 **दायर दिनांकः 02/08/2019**

उनवान

1. हेमराज आयु 37 वर्ष पुत्र प्रहलाद।
2. महेन्द्र आयु 29 वर्ष पुत्र प्रहलाद।
3. गिरीराज मीणा आयु 25 वर्ष पुत्र प्रहलाद जातियान मीणा निवासीगण खुरी तहसील अटरू जिला बारां राज0।

वादीगण

बनाम

1. प्रहलाद आयु 62 वर्ष मुतबन्ना गेन्दीलाल जाति मीणा निवासी खुरी तहसील अटरू जिला बारां राज0।
2. राजस्थान सरकार जर्ये तहसीलदार, साहब तहसील अटरू जिला बारां राज0।

प्रतिवादीगण

<u>वाद अन्तर्गत धारा 88, 89, 91, आर.टी.एक्ट</u>

उपस्थिति :—

वादीगणः— विद्वान अभिभाषक श्री महावीर प्रसाद नागर।

प्रतिवादीः— विद्वान अभिभाषक श्री भगवान स्वरूप मंगल।

आदेश दिनाक : 05/09/2019

पत्रावली पेश हुई, वकील उभय पक्ष उपस्थित। संक्षिप्त में प्रकरण इस प्रकार से है कि वादीगण ने यह दावा अन्तर्गत धारा 88, 89, 91, आर.टी.एक्ट का इस आशय का पेश किया है कि वाके ग्राम एवं माल खुरी तहसील अटरू जिला बारां की खाता संख्या 135 का ख0नं0 325 का रकबा 5.99 है0 ख0नं0 478 का रकबा 1.05 है0 ख0नं0 590/1568 का रकबा 0.22 है0 ख0न0 1324 का रकबा 1.58 है0 ख0न0 1431 का रकबा 1.02 है0 की कुल किता 5 का रकबा 10.31 है0 में प्रतिवादी क्रम 1 के आराजी शामलाती खाते दर्ज चली आ रही है। जिसमें प्रतिवादी क्रम 1 का हिस्सा 1/2 दर्ज खाता है। नकल जमाबन्दी 2072 से 2074 नक्शा ट्रेस, ग्राम पंचायत का वारिस प्रमाण पत्र, वाद पत्र के साथ संलग्न है जो काबिल गौर है। वाद पत्र की मद नं0 1 में वर्णित आराजी की पैत्रृक सम्पत्ति है, जो वादीगण के दादाजी गेन्दीलाल के खाते दर्ज थी उक्त आराजी प्रतिवादी क्रम 1 को पिता गेन्दीलाल से प्राप्त हुई थी तथा वादीगण प्रतिवादी क्रम 1 की सन्ताने है। जो काबिल गौर है। वाद पत्र की मद नं0 1 में वर्णित आराजी को वादीगण व प्रतिवादी क्रम 1 अपने अपने हिस्से को कब्जा काश्त करते चले आ रहे है। उक्त आराजी में वादीगण व प्रतिवादी क्रम 1 का हिस्सा 1/8, 1/8 बनता है। जिसमें वादीगण का जन्म से ही अधिकार बनता है। मद नं0 1 में वर्णित आराजी में से वादीगण ने अपने हिस्से की आराजी 1/8 को अलग से अपने नाम खाता दर्ज करवाने का निवेदन प्रतिवादी क्रम 1 से किया तो प्रतिवादी क्रम ने वादीगण के नाम

राजस्व रिकार्ड नकल जमाबन्दी में अलग से नाम दर्ज करवाने से साफ मना कर दिया तथा वादीगण ने दिनांक 23.06.2019 को प्रतिवादी क्रम 1 से फिर निवेदन किया कि हमारे हिस्से की आराजी 1/8, 1/8 को हमारे खाते राजस्व रिकार्ड नकल जमाबन्दी में दर्ज करवाया जावें। परन्तु प्रतिवादी क्रम 1 ने फिर साफ मना कर दिया जबकि वादीगण का नाम राजस्व रिकार्ड नकल जमाबन्दी में दर्ज नही होने से वादीगण को कई समस्याओं का सामना करना पड रहा है। वादीगण के0सी0सी0 नही बनवा सकते तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी नही ले सकते जिससे वादीगण को बहुत नुकसान उठाना पड रहा है। जबकि वादीगण का वाद पत्र की मद नं0 1 में वर्णित आराजी में जन्म से अधिकार बनता है। जिससे प्राप्त करने का वादीगण का अधिकारी है। बिना सहायता न्यायालय प्रतिवादी क्रम 1 द्वारा किये जा रहे अवैधानिक एवं गैर कानूनी कृत्य से रोका जाना सम्भव नही है। वादीगण वाद पत्र की मद नं0 1 में वर्णित आराजी में से अपने हिस्से 1/8 की आराजी को राजस्व रिकार्ड नकल जमाबन्दी में अपना नाम दर्ज करवाने के अधिकारी है। वाद कारण प्रथमबार वादीगण द्वारा प्रतिवादी क्रम 1 से अपने हिस्से की आराजी 1/8 को अपने नाम खाता दर्ज करवाने का निवेदन करने पर तथा प्रतिवादी द्वारा मना करने पर व अन्तिम बार दिनांक 10.07.2019 को दोबारा साफ मना करने पर माननीय न्यायालय के सीमाक्षैत्र में उत्पन्न हुआ। उक्त आराजी पर रहन हमारे हिस्से की आराजी पर दर्ज कर दिया जावें। जिसमें हमे कोई आपत्ति नही है। विवादग्रस्त आराजी ग्राम व माल खुरी तहसील अटरू जिला बारां में स्थित होने से माननीय न्यायालय को क्षैत्राधिकार एवं श्रवणाधिकार प्राप्त है। राजस्थान सरकार भूमिधारी होने से राजस्थान सरकार जर्ये तहसीलदार साहब अटरू को इस वाद में आवश्यक पक्षकार प्रतिवादी क्रम 2 बनाया है। वाद राजस्थान टीनेन्सी एक्ट के तृतीय परिशिष्ठ के मुताबिक उचित न्याय शुल्क पर पेश है। वाद अवधि मध्य एवं उचित न्याय शुल्क पर पेश है जो माननीय न्यायालय द्वारा सुने जाने योग्य है।

अतः माननीय न्यायालय मे वाद पत्र पेश कर निवेदन है कि निम्न आशय की डिक्री बहक वादीगण विरूद्ध प्रतिवादी क्रम 1 सादिर फरमाई जावें।

(अ) वाद पत्र की मद नं0 1 में वर्णित आराजी में से वादीगण तथा प्रतिवादी क्रम 1 के मुताबिक हिस्सा खाता संख्या 1/8, 1/8 राजस्व रिकार्ड नकल जमाबन्दी में नाम दर्ज कर खातेदार कृषक घोषित किया जावें।

(ब) अन्य न्यायोचित सहायता जो माननीय न्यायालय उचित समझे वादी को प्रदान की जावे।

रिपोर्ट ली जाकर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया गया तथा प्रतिवादीगण की तलबी की गई, वादीगण एवं प्रतिवादी क्रम 1 द्वारा आपसी सहमति से राजीनामा इस आशय का पेश किया है कि उपरोक्त उनवान का प्रकरण माननीय न्यायालय में जेरकार है जिसमें आज तारीख पेशी नियत है। विवादित आराजी ग्राम व माल खुरी तहसील अटरू की खाता संख्या 135 की कुल किता 5 का रकबा 10.31 है0 आराजी में प्रतिवादी क्रम 1 का हिस्सा 1/2 खाता दर्ज है। जो प्रतिवादी क्रम 1

की पैत्रक सम्पत्ति है जिसमें वादीगण 1 लगायत 3 व प्रतिवादी क्रम 1 का हिस्सा 1/8, 1/8 बनता है। वादी क्रम 1 ल 3 व प्रतिवादी क्रम के मध्य आपसी समझाईस से राजीनामा हो गया है। जो राजीनामा निम्न प्रकार है।

वादी क्रम 1 लगायत 3 व प्रतिवादी क्रम 1 को राजीनामें अनुसार हिस्सा 1/8, 1/8 का कृषक खातेदार घोषित कर राजस्व रिकार्ड नकल जमाबन्दी में दर्ज किया जावें।

अतः श्रीमान की सेवा में राजीनामा पेश कर निवेदन है कि वादीगण व प्रतिवादी क्रम 1 के मध्य हुए राजीनामें को तस्दीक कर हिस्सा 1/8–1/8 को वादीगण व प्रतिवादी क्रम 1 को को कृषक खातेदार घोषित कर राजस्व रिकार्ड नकल जमाबन्दी में खाता दर्ज किये जाने के आदेश प्रदान करने की कृपा करें।

उभय पक्षकारान को सुना तथा राजीनामा पढकर सुनाया गया, सही होना स्वीकार किया गया, वादीगण की पहचान श्री महावीर नागर एड0 द्वारा तथा प्रतिवादी क्रम 1 की पहचान श्री भगवान स्वरूप मंगल एडवोकेट द्वारा की गई, राजीनामा बाद तस्दीक शा0फा0 किया गया।

पत्रावली का अवलोकन किया गया, विवादित आराजी ग्राम खुरी की खाता संख्या 135 की कुल किता 5 का रकबा 10.31 है0 रहन प्रतिवादी क्रम 1 के खाते दर्ज है। उक्त आराजी पैत्रिक सम्पत्ति है। जिसमें वादीगण का जन्म से अधिकार बनता है। जिससे वादी का 1/8–1/8 हिस्सा बनता है। अतः न्यायहित में आपसी सहमति से वादीगण का वाद स्वीकार योग्य है।

—:क्रियात्मक आदेशः—

उपरोक्त विवेचन के आधार पर वादीगण का वाद स्वीकार किया जाता है। विवादित आराजी ग्राम एवं माल खुरी की खाता संख्या 135 की कुल किता 5 का रकबा 10.31 है0 प्रतिवादी क्रम 1 का 1/2 हिस्से में वादी क्रम 1 ल 3 व प्रतिवादी क्रम 1 को 1/8–1/8 हिस्से का खातेदार कृषक घोषित किया जाता है। तथा रहन का नोट SBI अटरू दर्ज किया जावें। डिक्री पर्चा जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 05.09.2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(कृष्णगोपाल जोजन)
उपखण्ड अधिकारी
अटरू जिला बारां

डिक्री मुकदमा इब्तदाई
(ओ0 20 रूल 7 जाप्ता दीवानी)
आज अदालत उप खण्ड अधिकारी अटरू जिला बारां (राज0)
बइजलास. श्री कृष्णगोपाल जोजन (R.A.S.) उप खण्ड अधिकारी अटरू जिला बारां (राज0.)

प्रकरण सं0 110/2019

उनवान

1. हेमराज आयु 37 वर्ष पुत्र प्रहलाद।
2. महेन्द्र आयु 29 वर्ष पुत्र प्रहलाद।
3. गिरीराज मीणा आयु 25 वर्ष पुत्र प्रहलाद जातियान मीणा निवासीगण खुरी तहसील अटरू जिला बारां राज0।

वादीगण

बनाम

1. प्रहलाद आयु 62 वर्ष मुतबन्ना गेन्दीलाल जाति मीणा निवासी खुरी तहसील अटरू जिला बारां राज0।
2. राजस्थान सरकार जर्ये तहसीलदार, साहब तहसील अटरू जिला बारां राज0।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, 89, 91, आर.टी.एक्ट

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कनई ....X................. रूबरू...............X..............................

बहाजिर :–

वादीगणः– विद्वान अभिभाषक श्री महावीर प्रसाद नागर।
प्रतिवादीः– विद्वान अभिभाषक श्री भगवान स्वरूप मंगल।

मिनजानित मुदई रूबरू ....X...

मिनजाबिन मुदालयह हुक्म दिया जाता है व डिक्री दी जाती है। विवादित आराजी ग्राम एवं माल खुरी की खाता संख्या 135 की कुल किता 5 का रकबा 10.31 है0 प्रतिवादी क्रम 1 का 1/2 हिस्से में वादी क्रम 1 ल 3 व प्रतिवादी क्रम 1 को 1/8–1/8 हिस्से का खातेदार कृषक घोषित किया जाता है। तथा रहन का नोट SBI अटरू दर्ज किया जावें।

(कृष्ण गोपाल जोजन)
उप खण्ड अधिकारी
अटरू जिला बारां (राज0)

निज ....X..................... मुबालिक ....X............... बाबत् खर्चा इस मुकदमें के सूद बशारह ......X......................... .... फीसदी सालाना आज की तारीख से तारीख अदायगी तक ....X......................... अदा करूंगा।

मैरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से आज दिनांक 05.09.2019 को जारी किया गया।

उप खण्ड अधिकारी
अटरू जिला बारां (राज0)

मुदई		मुदालयह	
स्टाम्प अर्जी दावा	खर्चा गवाहान	स्टाम्प अर्जी दावा	फीस कमिश्नर
स्टाम्प वकालत नाम	फीस कमिश्नर	स्टाम्प अर्जी	बाबत् इजराय हुकमनाम
स्टाम्प वजह सबूत	बाबत् इजराय हुकमनाम	महन्ताना वकील	मुत0
महन्ताना वकील	मुत0	खर्चा गवाहान	
मिजान		मिजान	

उप खण्ड अधिकारी
अटरू जिला बारां (राज0)

Signature Not Verified
Digitally signed by Krishna Gopal Jojan
Date: 2019.10.21 15:44:37 IST
Reason: SelfAttested
Location: